02 अर्थ की दृष्टि से वाक्य-भेद
(Kinds of Sentence According to Meaning)

अर्थ एवं परिभाषा

भाषा की सबसे छोटी इकाई 'वर्ण' है। वर्णों के समूह से ही 'शब्द' बनते हैं एवं शब्दों के सार्थक समूह से ही 'वाक्य' का निर्माण होता है। शब्द जब वाक्य में प्रयुक्त होते हैं तब वे 'पद' कहलाते हैं। वाक्य के सभी पद मिलकर पूरा अर्थ प्रकट करते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि–

सार्थक पदों का ऐसा समूह जो पूर्ण अर्थ तथा भाव को स्पष्ट अभिव्यक्त करे, 'वाक्य' कहलाता है।

वाक्य के दो अंग होते हैं–उद्देश्य और विधेय।

1. **उद्देश्य**–वाक्य में जिसके विषय में कुछ-न-कुछ कहा जाता है, उसे 'उद्देश्य' कहते हैं।
2. **विधेय**–वाक्य के जिस अंश में उद्देश्य अर्थात् कर्ता के विषय में जो कुछ कहा जाता है, उसे 'विधेय' कहते हैं।

   उदाहरण–(क) राम पढ़ रहा है।

   (ख) मेरी बहन अच्छा खाना बनाती है।

   आइए, उपर्युक्त वाक्यों में से उद्देश्य तथा विधेय अलग-अलग करके देखें–

उद्देश्य	**विधेय**
राम	पढ़ रहा है।
मेरी बहन	अच्छा खाना बनाती है।

इस प्रकार यह स्पष्ट होता है कि वाक्य में प्रयुक्त कर्ता 'उद्देश्य' होता है तथा शेष कर्म और क्रिया आदि 'विधेय'।

वाक्य के भेद

दो आधारों पर वाक्य के भेद किए गए हैं–

1. बनावट या रचना के आधार पर वाक्य के भेद।
2. अर्थ की दृष्टि से वाक्य के भेद।

स्मरणीय बिंदु

- सार्थक पदों का ऐसा समूह जो पूर्ण अर्थ तथा भा को स्पष्ट अभिव्यक्त करे, 'वाक्य' कहलाता है।
- अर्थ की दृष्टि से वाक्य के निम्नलिखित आठ भे होते हैं–

  1. विधानवाचक वाक्य 2. निषेधवाचक वाक्य
  3. प्रश्नवाचक वाक्य 4. विस्मयादिवाचक वाक्य
  5. आज्ञावाचक वाक्य 6. इच्छावाचक वाक्य
  7. संदेहवाचक वाक्य 8. संकेतवाचक वाक्य।
- ऐसे वाक्य जिनमें किसी क्रिया के करने या हो की सामान्य सूचना मिलती हो, उन्हें विधानवाचक वाक्य कहते हैं।
- ऐसे वाक्य में जिनमें किसी कार्य के न होने य न करने का बोध हो, उन्हें 'निषेधवाचक वाक्य' कहते हैं।
- ऐसे वाक्य जिनमें प्रश्न किया जाए, उन्हें 'प्रश्नवाचक वाक्य' कहते हैं
- ऐसे वाक्य जिनमें विस्मय (आश्चर्य), हर्ष, शोक, घृणा आदि का भाव व्यक्त हो, उन्हें 'विस्मयादिवाचक वाक्य' कहते हैं
- ऐसे वाक्य जिनमें आज्ञा, आदेश, प्रार्थना या उपदे आदि का बोध हो, उन्हें 'आज्ञावाचक वाक्य' कहते हैं
- ऐसे वाक्य जिनमें इच्छा, आशा, आशीर्वाद, शाप य शुभकामना का बोध हो, उन्हें 'इच्छावाचक वाक्य' कहते हैं।
- ऐसे वाक्य जिनमें किसी कार्य के होने में संदेह य या संभावना हो, उन्हें 'संदेहवाचक वाक्य' कहते हैं
- ऐसे वाक्य जिनमें एक क्रिया के दूसरी क्रिया पर नि होने का बोध हो, उन्हें 'संकेतवाचक वाक्य' कहते हैं

पाठ्यक्रम में **अर्थ की दृष्टि से वाक्य के भेद** ही शामिल हैं। अत: हमें यहाँ सिर्फ़ इसी के बारे में पढ़ना है। अ विस्तारपूर्वक इस पर चर्चा करें–

अर्थ की दृष्टि से वाक्य के निम्नलिखित आठ भेद होते हैं–

(क) विधानवाचक वाक्य (ख) निषेधवाचक वाक्य (ग) प्रश्नवाचक वाक्य
(घ) विस्मयादिवाचक वाक्य (ङ) आज्ञावाचक वाक्य (च) इच्छावाचक वाक्य
(छ) संदेहवाचक वाक्य (ज) संकेतवाचक वाक्य

(क) विधानवाचक वाक्य: ऐसे वाक्य जिनमें किसी क्रिया के करने या होने की सामान्य सूचना मिलती हो, उन्हें विधानवाचक वाक्य कहते हैं। विधानवाचक वाक्य को 'विधिवाचक वाक्य' भी कहा जाता है; जैसे–

1. घोड़ा दौड़ता है।
2. सूर्य पूर्व से उदय होता है।
3. किसान हल चलाता है।
4. प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

(ख) निषेधवाचक वाक्य: ऐसे वाक्य में जिनमें किसी कार्य के न होने या न करने का बोध हो, उन्हें 'निषेधवाचक वाक्य' कहते हैं; जैसे–

1. आज हमारे अध्यापक नहीं आए।
2. आज बच्चे विद्यालय नहीं गए।
3. मैं आज खाना नहीं खाऊँगा।
4. अब वर्षा नहीं हो रही है।

(ग) प्रश्नवाचक वाक्य: ऐसे वाक्य जिनमें प्रश्न किया जाए, उन्हें 'प्रश्नवाचक वाक्य' कहते हैं; जैसे–

1. तुम कल खेलने क्यों नहीं आए थे?
2. क्या तुम मेरे साथ बाज़ार चलोगे?
3. आजकल तुम कहाँ व्यस्त रहते हो?
4. आप क्या लेंगे?

(घ) विस्मयादिवाचक वाक्य: ऐसे वाक्य जिनमें विस्मय (आश्चर्य), हर्ष, शोक, घृणा आदि का भाव व्यक्त हो, उन्हें 'विस्मयादिवाचक वाक्य' कहते हैं; जैसे–

1. अरे! इतना बड़ा साँप। (विस्मय)
2. वाह! उसने सुंदर शॉट लगाया। (हर्ष)
3. हाय! बेचारा घायल हो गया। (शोक)
4. छि:! कितनी गंदगी है। (घृणा)

(ङ) आज्ञावाचक वाक्य: ऐसे वाक्य जिनमें आज्ञा, आदेश, प्रार्थना या उपदेश आदि का बोध हो, उन्हें 'आज्ञावाचक वाक्य' कहते हैं; जैसे–

1. तुम बाज़ार चले जाओ।
2. उधर मत बैठो।
3. आप शांत रहिए।
4. आप यहाँ विश्राम कीजिए।

(च) इच्छावाचक वाक्य: ऐसे वाक्य जिनमें इच्छा, आशा, आशीर्वाद, शाप या शुभकामना का बोध हो, उन्हें 'इच्छावाचक वाक्य' कहते हैं; जैसे–

1. आपका भविष्य उज्ज्वल हो।
2. ईश्वर आपकी यात्रा सफल करे।
3. नववर्ष मंगलमय हो।
4. तुम्हें दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ।

(छ) संदेहवाचक वाक्य: ऐसे वाक्य जिनमें किसी कार्य के होने में संदेह हो या संभावना हो, उन्हें 'संदेहवाचक वाक्य' कहते हैं; जैसे–

1. शायद आज वर्षा हो।
2. उसने काम कर लिया होगा।
3. हो सकता है, आज वह विद्यालय गया हो।
4. संभवत: वह सुधर जाए।

(ज) संकेतवाचक वाक्य: ऐसे वाक्य जिनमें एक क्रिया के दूसरी क्रिया पर निर्भर होने का बोध हो, उन्हें 'संकेतवाचक वाक्य' कहते हैं; जैसे–

1. अगर तुम जाते, तो मैं भी साथ चलता।
2. यदि तुम चलोगे, तो मैं भी चलूँगा।
3. यदि वर्षा होगी, तो फ़सल अच्छी होगी।
4. यदि परिश्रम करोगे, तो सफल भी हो जाओगे।

अर्थ की दृष्टि से वाक्य परिवर्तन

एक विशेष अर्थ वाले वाक्य को किसी अन्य प्रकार के अर्थ वाले वाक्य में बदलना ही 'वाक्य परिवर्तन' या 'रूपांतरण' कहलाता है।

एक उदाहरण द्वारा इसे समझा जा सकता है–

राजेश भोजन करता है।	(विधानवाचक वाक्य)
राजेश भोजन नहीं करता है।	(निषेधवाचक वाक्य)
क्या राजेश भोजन करता है?	(प्रश्नवाचक वाक्य)

यदि मैं कहता तो राजेश भोजन करता। (संकेतवाचक वाक्य)
शायद राजेश ने भोजन किया होगा। (संदेहवाचक वाक्य)
मेरी इच्छा है कि राजेश भोजन करे। (इच्छावाचक वाक्य)
राजेश! भोजन करो। (आज्ञावाचक वाक्य)
अरे वाह! राजेश ने भोजन कर लिया। (विस्मयादिवाचक वाक्य)

अर्थ की दृष्टि से वाक्य-परिवर्तन के अन्य उदाहरण

1. निषेधवाचक वाक्य में

(*i*) बच्चे खेल रहे हैं। – बच्चे खेल नहीं रहे हैं।
(*ii*) मैं मुंबई गया था। – मैं मुंबई नहीं गया था।

2. विधानवाचक वाक्य में

(*i*) मीना आज नहीं पढ़ेगी। – मीना आज पढ़ेगी।
(*ii*) अब मीरा नहीं गाएगी। – अब मीरा गाएगी।

3. प्रश्नवाचक वाक्य में

(*i*) रोगी चल-फिर सकता है। – क्या रोगी चल-फिर सकता है?
(*ii*) माँ खाना बना रही है। – क्या माँ खाना बना रही है?

4. आज्ञावाचक वाक्य में

(*i*) वह मिठाई खाता है। – वह मिठाई मत खाए।
(*ii*) विकास चित्र बनाता है। – विकास चित्र बनाओ।

5. संकेतवाचक वाक्य में

(*i*) छुट्टियाँ होने पर हम चलेंगे। – यदि छुट्टियाँ होंगी, तो हम चलेंगे।
(*ii*) तुम्हारे आने से घर में रौनक बढ़ती है। – जब तुम आते हो, तो घर में रौनक बढ़ती है।

6. इच्छावाचक वाक्य में

(*i*) वह पढ़ता है। – काश! वह पढ़ता।
(*ii*) तुमने इनाम जीता। – ईश्वर करे, तुम इनाम जीतो।

7. संदेहवाचक वाक्य में

(*i*) आज वर्षा होगी। – शायद आज वर्षा होगी।
(*ii*) वह आज बाज़ार जाएगा। – संभवत: वह आज बाज़ार जाएगा।

8. विस्मयादिवाचक वाक्य में

(*i*) तुमने पुरस्कार जीता। – वाह! तुमने पुरस्कार जीता।
(*ii*) तुम कब आए? – अरे! तुम कब आए?

अभ्यास

1. अर्थ की दृष्टि से वाक्य के कितने भेद होते हैं? उदाहरण सहित प्रत्येक का परिचय दीजिए।
2. वाक्य-भेद किन-किन आधारों पर किया जाता है? उनके नाम लिखिए।
3. अर्थ की दृष्टि से निम्नलिखित वाक्यों के भेद लिखिए–

(क) हो सकता है भारत मैच जीत जाए। ....
(ख) जा, तेरा वैभव नष्ट हो जाए। ....

(ग) आपकी यात्रा मंगलमय हो। ....

(घ) क्या आपने मेरा पत्र पढ़ लिया है? ....

(ङ) यदि तुम अब भी पढ़ लो तो परीक्षा में उत्तीर्ण हो सकते हो। ....

(च) ईमानदारी व्यक्ति का श्रेष्ठ गुण है। ....

(छ) तुम उधर चले जाओ। ....

(ज) बच्चो! मेरी बात ध्यान से सुनो। ....

(झ) तुम इस समय क्या कर रहे हो? ....

(ञ) शायद आज आँधी आएगी। ....

(ट) वह विद्‌यालय नहीं गया। ....

(ठ) यदि समय से वर्षा हो जाए, तो खूब फ़सल हो। ....

(ड) छि:! इस दुष्ट को यहाँ क्यों ले आए? ....

(ढ) माता जी मेरे साथ नहीं आईं। ....

(ण) चंद्रमा रात में ही दिखाई देता है। ....

(त) कृपया मेरी सहायता कीजिए। ....

4. एक-एक उदाहरण दीजिए–

(क) विधानवाचक वाक्य से निषेधवाचक वाक्य

(ख) विधानवाचक वाक्य से प्रश्नवाचक वाक्य

(ग) विधानवाचक वाक्य से विस्मयादिवाचक वाक्य

(घ) विस्मयादिवाचक वाक्य से विधानवाचक वाक्य

(ङ) विधानवाचक वाक्य से आज्ञावाचक वाक्य

(च) विधानवाचक वाक्य से संदेहवाचक वाक्य

(छ) विधानवाचक वाक्य से इच्छावाचक वाक्य

(ज) संदेहवाचक वाक्य से संकेतवाचक वाक्य

5. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए–

(क) उसके व्यवहार को कौन नहीं जानता? (विधानवाचक में)

(ख) उसने अपना काम पूरा कर लिया। (प्रश्नवाचक में)

(ग) कल विद्‌यालय की छुट्टी होगी। (संकेतवाचक में)

(घ) हाथी बहुत बड़ा है। (विस्मयादिवाचक में)

(ङ) कल मैं विद्‌यालय नहीं जाऊँगा। (संदेहवाचक में)

(च) वह कक्षा में प्रथम आया। (विस्मयादिवाचक में)

(छ) उसने किसी से बात नहीं की। (विधानवाचक में)

(ज) अर्चना अपना पाठ याद कर रही है। (आज्ञावाचक में)

(झ) आज बहुत ठंड है। (निषेधवाचक में)

(ञ) वह मान जाएगा। (निषेधवाचक में)

(ट) तुम आ गए हो। (विस्मयादिवाचक में)

(ठ) शायद आज मामा जी आएँगे। (प्रश्नवाचक में)
(ड) वीरेश प्रतिदिन व्यायाम करता है। (आज्ञावाचक में)
(ढ) तुम्हारा मित्र आज विद्यालय नहीं जाएगा। (प्रश्नवाचक में)
(ण) तुम प्रधानाचार्य जी से बात करो। (इच्छावाचक में)
(त) वर्षा आएगी। (संदेहवाचक में)
(थ) कक्षा में सभी विद्यार्थी शांत बैठे हैं। (इच्छावाचक में)
(द) वह दिल्ली जाएगा। (प्रश्नवाचक में)
(ध) अपनी-अपनी आस्थानुसार नित्य प्रार्थना करनी चाहिए। (आज्ञावाचक में)
(न) उसने कोई उपाय नहीं छोड़ा। (विधानवाचक में)
(प) क्या वह इतना मूर्ख है? (निषेधवाचक में)
(फ) गौरव ने दीनू की सहायता नहीं की। (संदेहवाचक में)
(ब) मेरा पत्र आपको मिला। (प्रश्नवाचक में)
(भ) यह एक अच्छा छात्र है। (निषेधवाचक में)
(म) राम आज चलचित्र देखेगा। (संदेहवाचक में)
(य) लड़के घर में आराम करते हैं। (आज्ञावाचक में)
(र) शीला रोज़ पढ़ने जाती है। (आज्ञावाचक में)
(ल) तुम्हारी साड़ी बहुत सुंदर है। (विस्मयादिवाचक में)
(व) क्या राम और श्याम साथ-साथ रहते हैं? (विधानवाचक में)

बहुविकल्पी प्रश्न

(अतिरिक्त अभ्यास हेतु)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प में से छाँटकर लिखिए–

(क) 'क्या आप जा रहे हैं?' वाक्य का प्रकार है–

(*i*) इच्छावाचक (*ii*) संकेतवाचक (*iii*) प्रश्नवाचक (*iv*) इनमें से कोई नहीं

(ख) निम्नलिखित में से कौन-सा अर्थ की दृष्टि से वाक्य का प्रकार नहीं है?

(*i*) संयुक्त (*ii*) विधानवाचक (*iii*) संदेहवाचक (*iv*) इनमें से कोई नहीं

(ग) अर्थ के आधार पर वाक्य कितने प्रकार के होते हैं?

(*i*) सात (*ii*) आठ (*iii*) नौ (*iv*) इनमें से कोई नहीं

(घ) 'ईश्वर तुम पर कृपा बनाए रखे।' अर्थ के आधार पर वाक्य का प्रकार बताइए।

(*i*) निषेधवाचक (*ii*) आज्ञावाचक (*iii*) इच्छावाचक (*iv*) प्रश्नवाचक

(ङ) 'मीनाक्षी मेरी बड़ी बहन है।' अर्थ के आधार पर वाक्य का प्रकार बताइए।

(*i*) विधानवाचक (*ii*) संकेतवाचक (*iii*) विस्मयादिवाचक (*iv*) प्रश्नवाचक

(च) 'गगन नीला हो गया, अब बारिश नहीं आएगी।' अर्थ के आधार पर वाक्य का प्रकार बताइए।

(*i*) सरल (*ii*) संयुक्त (*iii*) मिश्र (*iv*) प्रश्नवाचक

(छ) 'राधा पढ़ रही है।' अर्थ के आधार पर वाक्य का प्रकार बताइए।

(*i*) विस्मयादिवाचक (*ii*) प्रश्नवाचक (*iii*) विधानवाचक (*iv*) निषेधवाचक